ment informing us about the situation. Because, we are receiving very alarming news; people have been attacked; they have been wounded. They are on their death-bed. The Minister in charge should make a statement so that we can at least know the latest position.

MR. SPEAKER: You please write to me. I will ask the Minister to come with a statement.

SHRI SYED AHMED AGA (Baramulla). The agreement which has been entered into between India and Pakistan is a historic achievement The Lok Sabha will not be doing justice to it if it does not discuss it. There may be other issues before us, but they are not so very important As regards the no-confidence motion, this has been coming all these years and I have seen the fate of these motions That can wait, but this can not It is a historic achievement and we should discuss it

SHRI PILOO MODY Achievement? They should have done it a year ago Why did they not do it a year ago?

RE ALLEGED PRINTING OF POSTERS BY DAVP FOR DELHI UNIVERSITY STUDENTS UNION ELECTIONS

श्री फूल चद वर्मा (उज्जैन) अध्यक्ष महोदय, मै आपका आभारी हू कि आपने मुझे बोलने की अनुमति दी है। विजिनेस एडवाइजरी कमेटी के निर्णय के अनुसार आप कालिंग एटेन्सन नोटिस एक्सप्ट नही करते हैं। इसलिए मैने इस मामले के सम्बन्ध मे नियम 377 के मानहत नोटिस दिया था।

हाल ही मे दिल्ली विश्वविद्यालय मे छात्र यूनियनो के जो चुनाव हुए है, उन मे डायरेक्टर आफ आडियो-विजुअल पब्लिसिटी के कांग्रेस के उम्मीदवारो के लिए पाच लाख रुपये के पोस्टर छपाये। यह बडा गम्भीर मामला है कि केन्द्रीय सरकार इस प्रकार छात्रो के चुनावो मे डायरेक्ट हस्तक्षेप कर रही है। कांग्रेस के लोग चाहते थे कि ये चुनाव निष्पक्ष न हो उनके इशारे पर इस डायरेक्टरेट ने इतना रुपया खर्च कर के, प्रजातांत्रिक ढग से जो चुनाव हो रहे थे, उन मे बाधा डाली है। (व्यवधान)

कल 31 अगस्त को शिक्षक सघ के चुनाव होने जा रहे हैं। उस के सबध मे भी डायरेक्टर आफ आडियो-विजुअल पब्लिसिटि के द्वारा इसी प्रकार के पोस्टर छपवा कर काफी मात्रा मे वितरित किये जा र है। मैं निवेदन करना चाहता हू कि इस तरह की परम्परा को रोकना चाहिए। इस मे प्रजातत्र को खतरा है। जहा तक सरकार का सवाल है वह एक निकम्मी और भ्रष्ट सरकार है। वह अपने राजनैतिक उद्देश्यो की पूर्ति के लिए हर प्रकार के गलत हथकडे अपना रही है। मेरी माग है कि इस सारे काड की जाच होनी चाहिए। (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) अध्यक्ष महोदय, जो मामला मै उठाना चाहता हू, वह इस सदन की कार्यवाही से भी सबधित है और बाहर से भी। भारत और पाकिस्तान मे जो समझौता हुआ है, उस की एक प्रति सदन की मेज पर रखी गई, लेकिन उसके हिन्दी अनुवाद के कापी नही रखी गई। इस के अतिरिक्त देश मे हिन्दी के जो इतने अखबार निकलते है, उन्हे भी सम्झौते का हिन्दी अनुवाद उपलब्ध नही कराया गया। सरकार के खास चौबीस घटे थे। इस समय मे वह समझौते का हिन्दी अनुवाद करा सकती थी। उस को समझौते का हिन्दी अनुवाद कल छ बजे हिन्दी के अखबारो को देना चाहिए था।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने इंगलिश में साइन किया और मिनिस्टर साहब ने ऐसे ही रख दिया ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : इस समय हिन्दी और अंग्रेजी दोनों हमारी राज्य भाषाएं है । जो भी कागज सदन की मेज पर रखा जाता है, उस के हिन्दी और अंग्रेजी दोनों संस्करण रखे जाते हैं । कल मंत्री महोदय ने समझौते का हिन्दी संस्करण मेज पर नहीं रखा । हिन्दी के प्रेस को भी समझौते का हिन्दी अनुवाद नहीं दिया गया । इस का परिणाम यह होता है कि हिन्दी प्रेस पिछड़ जाता है और अंग्रेजी के अखबार पहले समाचार दे देते है । (**व्यवधान**) हिन्दी की यह उपेक्षा ठीक नहीं है ।

MR SPEAKER: Order please. I am passing on to the next item. No more interruptions.

श्री दीनेन भट्टाचार्य (सीरमपुर) खाली हिन्दी मे नहीं एग्रीमेंट का बंगला और उर्दू अनुवाद भी देना चाहिए, जिसमे बंगला देश और पाकिस्तान के लोग भी उस को पढ सके (**व्यवधान**) सब भाषाओं मे देना चाहिए ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : और भाषाओं मे भी दिया जाए हमे एतराज नहीं है लेकिन जब तक यहां हिन्दी का बात नहीं आई तब तक भारतीय भाषाओं के ये प्रेमी चुप बैठे थे । (**व्यवधान**)

श्री भागवत झा आजाद (भागलपुर) बंगला और दूसरी भाषाओं में भी [illegible] है । लेकिन हिन्दी अनुवाद अवश्य दिया जाना चाहिए । यह देश की प्रथम राजभाषा है । (**व्यवधान**)

श्री दिनेन भट्टाचार्य बंगला देश की राजभाषा बंगला है । बंगला मे उसका अनुवाद जरूर होना चाहिए । (**व्यवधान**)

श्री रामावतार शास्त्री यादव (सीतामढ़ी) दूसरी भाषाओं में भी उसका अनुवाद होना चाहिए । लेकिन हिन्दी में अनुवाद जरूर होना चाहिए ।

MR. SPEAKER: Please sit down. We must have the proceedings televised! The people must see what you are doing; how are you behaving in this Parliament People should also see; the whole country should see it.

मै चाहता हू कि हाउस की कार्यवाही को टेलीवाइज किया जाए ताकि बाहर लोग यह जज कर सके की हम कैसे इस हाउस का काम चलाते है ।

श्री मधु लिमये अध्यक्ष महोदय ताशकंद मे श्री लालबहादुर शास्त्री ने प्रेजिडेंट अयूब से हिन्दुस्तानी उर्दू मे बातचीत की थी । इस लिए समझौता के हिन्दी अनुवाद की माग बिल्कुल जाइज है ।

13 hrs

SHRI P G MAVALANKAR (Ahmedabad) I want to raise a point of order on what has been going on for the last half an hour

MR SPEAKER You are making a submission If you want to make a submission, it is all right But if you want to raise a point of order, I must know on what business

SHRI P G MAVALANKAR I want to make a most respectful submission to you regarding the order or the House For the last several months I have been finding that some of us give notices under rule 377 and strictly go by procedure and when we are not permitted we abide by your ruling; we do not get up even once.

MR. SPEAKER· 377 is not a right. I am not going to allow 377 all the

time. Please do not make it part of daily routine. Whatever is important, I allow. Do not ask for it as a matter of right.

SHRI P. G. MAVALANKAR: I am on a different point. We abide by your ruling. But several Members of the House, inspite of your ruling on a particular matter, take it up and are even supported by their leaders. Even when you are not permitting some Members, they get up and defy your authority and ultimately you give them permission.

MR. SPEAKER: You are also doing the same.

SHRI P. G. MAVALANKAR: Their leaders also plead for them and ultimately you give in. But what happens to people like us? We are not supported by any party. If you disallow something, you should not allow anybody to bring up that matter. Otherwise, people who defy your authority on the floor of the House, who shout and defy you get permission ultimately, while we sit silent, abiding by your ruling.

MR. SPEAKER: May I know you are doing now? I find only two solutions to your point of order. One is: I shall call you every morning and I will place all the 377s, call attention, etc. before you and accept your advice, which of them to admit. Secondly, I will nominate you on the Panel of Chairmen and see how you behave differently from me; then I will learn from you new standards. That will give me a barometer as to how far you are able to keep up the great traditions set up by your illustrious father I will have to nominate you and put you in the Chair. I wonder if you yourself will be able to do it or not; I shall stand to learn from you.

SHRI PILOO MODY: On the point made by Shri Vajpayee, he wanted a translation of the Treaty or accord or whatever it is that we have signed. Last time when the Indo-Soviet Treaty was signed, the Hindi translation was made in Moscow by Russians, and not in Delhi by Indians. I would like to know from Mr. Vajpayee whether he wants a translation this time from Islamabad or from Delhi?

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Shall I reply to it?

MR. SPEAKER: I think we should not go into this controversy. Leave it to me. I will do it.

SHRI PILOO MODY: We want it in Hindi, not in Gurmukhi.

MR. SPEAKER: I am going to buy that dictionary whichever Madhu Limaye uses.

13.05 hrs

CODE OF CRIMINAL PROCEDURE BILL—*Contd.*

MR. SPEAKER: We shall now take up further consideration of the Code of Criminal Procedure Bill.

Shri M. C. Daga.

श्री मूल चन्द डागा (पाली): अध्यक्ष महोदय, 1973 के अन्दर सी० आर०पी०सी० मे आपने जो सशोधन किये हैं, उनके बाद भी आज पुलिस अधिकारी किसी भी आदमी को पकड सकता है, कितने घन्टों तक अपनी पुलिस कस्टडी में रख सकता है, सैक्शन 109 आज भी इस मे मौजूद है। इस सैक्शन के अन्तर्गत किसी भी आदमी को सस्पीशस सर्कमस्टान्सेज मे पकडने का अधिकार पुलिस अधिकारी को दिया गया है।

आप इस बात के लिए दावा करेंगे कि सी०आर०पी०सी० मे आप ने सशोधन कर लिये हैं, लेकिन मैं इस मे कुछ ऐसी बात, बुनियादी बातें चाहता हूं जिससे गरीब